

What do you mean by family?

Q. (परिवार से आप क्या समझते हैं?)

Ans- परिवार एक सामाजिक संस्था है। यह प्रत्येक समाज व प्रत्येक काल में पाया जाता है किंतु प्रत्येक समाज एवं काल में इसके स्वरूप में अंतर पाया जाता है किंतु हम ऐसे समाज की कल्पना न करेंगे जिस समाज में परिवार नाम की संस्था न हो। जहाँ तक परिवार की अवधारणा का प्रश्न है यह कहा जा सकता है कि समाजशास्त्रीयों के बीच एक मत का अभाव पाया जाता है। यही कारण है कि विभिन्न समाजशास्त्रियों ने परिवार के विभिन्न परिभाषाएँ प्रस्तुत की हैं। कुछ लोगों ने परिवार के परिभाषा में संगठनात्मक पक्ष पर विशेष बल दिया है। तो कुछ लोगों ने इसके पुरुषात्मक पक्ष पर बल दिया है। उदाहरणार्थ :- Ogburn, Nimkoff & Bogardus ने परिवार की परिभाषा में संगठनात्मक पक्ष पर बल दिया है। इनसे गो के अनुसार "Family is an association of husband and wife or without children or of a man and woman alone with children."

"बच्चों या बिना बच्चों वाले एक पति-पत्नी के या किसी एक या एक स्त्री के अकेले ही अपने बच्चों सहित एक छोड़ बहुत स्थायी संघ को परिवार कहते हैं।"

परिभाषा से यह भी पता चलता है कि परिवार का निर्माण होने के लिए विभिन्न बातें हैं। केवल पति-पत्नी से ही परिवार का निर्माण नहीं हो सकता। साथ ही पति-पत्नी और बच्चों का संगठन को परिवार कहा जा सकता है। इतना ही नहीं बल्कि पुरुष और उनके बच्चे एक साथ रहें तो यह भी परिवार कहा जा सकता है।

इसी तरह परिवार के प्रारंभिक प्रश्नों का उल्लेख करते हुए Macdver ने "परिवार प्रमाण निश्चित यौन द्वारा एक ऐसा समिति है जो बच्चों को पालन पोषण करने की पालन पोषण करने है। यह परिभाषा यह नहीं है कि परिवार की संस्था के सदस्य होते हैं। यह परिभाषा मुख्य रूप

2.

से परिवार के कर्मी पर प्रकाश डाली है। MacIver के अनुसार परिवार मुख्यतः तीन आवश्यकताओं की पूर्ति, संगति-तृप्ति एवं उनके शासन-पालन का कार्य करती है। साथ ही यह परिभाषा बताती है कि परिवार एक ऐसा समूह है जिसका आकार छोटा होता है और जो तुलनात्मक रूप से स्थायी प्रकृति का होता है। यद्यपि भिन्न-भिन्न विद्वानों ने परि-पत्नी और बच्चों को एक संगठन के रूप में परिभाषित किया है। किंतु वास्तविकता यह है कि परिवार में परि-पत्नी और बच्चों के असावा निकट के सम्बन्धी भी पाए जाते हैं। अतः यह कहा जा सकता है कि परिवार परि-पत्नी-बच्चों का निकट सम्बन्धियों का अपेक्षाकृत एक स्थायी संगठन है जिसमें विवाह, संगति-तृप्ति, और वंशनाम के आधार पर व्यवस्थित रखा जाता है।

परिवार के प्रकार।

(Types of Family)

समाज के आधार पर :- (अ) मातृसत्तात्मक परिवार (ब) पितृसत्तात्मक परिवार

संगठन के आधार पर :- (अ) संयुक्त परिवार (ब) अविच्छिन्न परिवार

(स) विच्छिन्न परिवार

विवाह के आधार पर :- (अ) एक विवाही परिवार (ब) बहुपति विवाही परिवार

(स) बहुपत्नी विवाही परिवार

स्थान के आधार पर :- (अ) नवस्थानीय परिवार (ब) पितृस्थानीय परिवार (स) मातृस्थानीय परिवार

परिवार के अर्थ

(Meaning of Family)

शाब्दिक रूप से परिवार Family के अर्थ को लैटिन शब्द Famulus की सहायता से समझा जा सकता है। Famulus शब्द का अर्थ 'सेवक' या 'सेवा करने वाला' है।

इससे स्पष्ट होता है कि परिवार उन व्यक्तियों का छोटा समूह है जो सेवा की भावना द्वारा एक-दूसरे से धनिक रूप से सम्बन्धित होते हैं।

विभिन्न विद्वानों ने परिवार को भिन्न-भिन्न रूप में परिभाषित किया है:-

मैकाइवर व फेज (MacIver & Frazier) "परिवार वह समूह है जिसमें यौन सम्बन्धों की सामाजिक स्वीकृति होती है और जो इतना छोटा तथा शक्तिशाली होता है कि इसके द्वारा संतान के जन्म और पालन-पोषण की व्यवस्था की जा सके।"

ओगबर्न तथा निमकोफ (Ogburn & Nimkoff) "परिवार लगभग एक स्थायी समूह है जो पति-पत्नी से निर्मित होता है, चाहे उनके संगम हो या न हो।"

किंगसे डेविस (Kingsley Davis) "परिवार ऐसे व्यक्तियों का समूह है जिसके सदस्यों के सम्बन्ध सगोत्रता पर आधारित होते हैं और जो इस प्रकार एक-दूसरे के नानेदार होते हैं।" फिर आगे लिखा है कि "परिवार वह सबसे छोटा नानेदारी समूह है जिसमें माता-पिता तथा उनकी संतानों का समावेश होता है।"

वर्गस और लॉक (Verges & Locke) "परिवार ऐसे व्यक्तियों का समूह है जो विवाह, रक्त, या गोद लेने के सम्बन्धों द्वारा संगठित होते हैं, एक गृहस्थी का निर्माण करते हैं तथा पति-पत्नी, माता-पिता, पुत्र-पुत्री, भ्रातृ-वहन के रूप में एक-दूसरे से क्रियाएँ करने हैं और एक सामान्य संस्कृति को बसाए रखने का प्रयत्न करते हैं।"

उपसंहार

सभी परिभाषाओं से यह स्पष्ट हो रहा है कि परिवार रक्त सम्बन्धों या विवाह पर आधारित वह सबसे छोटा और स्थायी समूह है जिसमें प्राथमिक सम्बन्धों और भावनात्मक सुरक्षा की प्रधानता होती है।

S.N. Choudhary
1
B.N.M.U